# भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान
ICAR- National Institute of Veterinary Epidemiology and Disease Informatics
पोस्ट बॉक्स 6450, यलहंका, बेंगलुरु 560064, कर्नाटक


## गलाघोंटू (एचएस)

गलाघोंटू गाय, भैंस, भेड़ और बकरीयों का जीवाणुजनित संक्रामक रोग है। यह पास्टूरेला माल्टोसीडा जीवाणु के संक्रमण के कारण होता है।

### संक्रमण

- संदूषित चारा और पानी के पीने से
- मौसम परिवर्तन से (अधिक गर्मी और नमी से)
- अधिक दूर तक पशुओ के परिवहन से
- गलाघोंटू के जीवाणु स्वस्थ पशु के श्वसन तंत्र में निष्क्रिय अवस्था में पहले से मौजूद रहते है जो तनाव के कारण जैसे मौसम परिवर्तन, कम जगह पर ज्यादा पशुओं के रखने, फार्म पर अमोनिया बनने तथा लंबी दूरी तक परिवहन से सक्रिय हो जाते है

### लक्षण

- तेज बुखार (106-107° F)
- भूख में कमी
- नाक से स्राव का आना
- मुख से तेज लार का आना
- सांस लेने में "घर-घर" की आवाज का आना
- गले के नीचे सूजन का होना
- अधिकतर पशुओं में उचित उपचार न मिलने से 10-72 घंटे के भीतर मौत हो जाती है

### निदान

- प्रतिकूल मौसम,और परिवर्तन के आधार पर
- पशुओं मे लक्षणों के आधार पर
- पोस्टमार्टम के निष्कर्षों पर - शरीर गुहा में रक्त स्राव
- प्रयोगशाला में जीवाणु की रक्त स्मीयर की परीक्षण द्वारा

### उपचार

- **गलाघोंटू के लक्षण दिखाई देने पर उपचार के लिए अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे**

### नियंत्रण

- संक्रमित पशुओं को अलग रखें और प्रभावित जानवरों का इलाज करायें
- संक्रमित पशुओं को पशु बाजार में न ले जाए
- प्रतिकूल मौसम में पशुओं के लंबी दूरी की परिवहन से बचें

### टीकाकरण

- गलाघोंटू का टीका मानसून से पहले हर साल लगवाए
- अधिक जानकारी के लिए अपने नजदीकी पशु चिकित्सक से संपर्क करे

*****


**संकलित और संपादित**

डॉ. पी. कृष्णमूर्ति, डॉ. अवधेश प्रजापति, डॉ. योगीशराध्या आर., डॉ. जी. एस. देसाई, डॉ. सतीश बी. शिवचंद्रा, डॉ. जी. गोविन्दराज



प्रकाशक
निदेशक
भाकृअनुप- राष्ट्रीय पशुरोग जानपदिक एवं सूचना विज्ञान संस्थान, पोस्ट बॉक्स-6450, यलहंका, बेंगलुरु-560064, कर्नाटक
फोन: 080-23093110, 23093111 फैक्स: 080- 23093222, वेबसाईट: www.nivedi.res.in, ईमेल: director.nivedi@icar.gov.in
2016